Need to conserve and connect Buddhist sites of archaeological importance in Chauparan block of Hazaribagh district, Jharkhand-Laid

श्री मनीष जायसवाल **(**हज़ारीबाग**) :** हजारीबाग जिले के चौपारण प्रखंड के मानगढ़, दैहर, सोहरा, हथिदर में पुरातात्विक महत्व की कई मूर्तियां, बौद्ध स्तूप तथा अन्य साक्ष्य खुदाई में सामने आये हैं । राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय ख्याति के इतिहासकार, वैज्ञानिकों ने इसका अध्ययन किया है । शोध में मानगढ़ में बरामद एनबीपीडब्लू (मृदभांड) का काल ई.पू. 200 से ई.पू. 700 तक जाने का दावा किया गया है । इन इलाकों में हिंदू तथा बौद्ध धर्म की पांचवी तथा छठी सदी की मूर्तियां प्राप्त हुई हैं । यहां से प्राप्त होने वाला सम्पूर्ण अवशेष बौद्ध धर्म के परिपक्व होने के बाद का है । अतः मैं सरकार से विनम्र निवेदन करता हूँ कि सरकार इस ऐतिहासिक पुरातात्विक स्थल को बौद्ध सर्किट से जोड़ने, यहां से प्राप्त पुरावशेष को खंडित होने से बचाने और पुरातात्विक विभाग के गोदाम में रखे जाने के बजाय इसे यहीं संरक्षित करने हेतु विशेष म्यूजियम का निर्माण करने और राष्ट्र के अन्य धरोहरों की भांति इस पुरातात्विक स्थल को भी राष्ट्रीय धरोहर मानकर इसका संरक्षण पुरातात्विक सर्वेक्षण विभाग के अधीन किए जाने की कृपा करें ताकि यह पर्यटन क्षेत्र के रूप में विकसित हो सके और स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर के साथ-साथ सरकार को राजस्व की भी प्राप्ति हो ।